>

Title: Regarding indefinite strike by the teachers and employees of Navodaya Vidyalayas in the country.

डॉ. भोला सिंह (नवादा): उपाध्यक्ष महोदय, आपने समय दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूं। इस देश ने तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी के दिशा-निर्देशन में शिक्षा में सुधार करने के लिए नवोदय विद्यालय की स्थापना की थी। नवोदय विद्यालय संस्कृति की हथेली पर विज्ञान का जलता हुआ चिराग है। आज नवोदय विद्यालय में शिक्षक तथा कर्मचारी अनिश्चित कालीन हड़ताल पर हैं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं इस सवाल को इसलिए उठा रहा हूं क्योंकि नवोदय विद्यालय ग्रामीण प्रतिभाओं को भविष्य के उजाले की ओर ले जाने के लिए स्थापित किये गये थे। इसमें विशेष शिक्षकों की नियुक्ति हुआ करती है, छात्रों को देश की आस्था, निष्ठा, भक्ति के प्रति प्रशिक्षित किया जाता है। ग्रामीण भारत को एक निष्ठावान भारत के रूप में प्रतिस्थापित किया जाता है। जब शिक्षकों की नियुक्ति होती है तो उसमें पेंशन की भी व्यवस्था रहती है, दूसरी सारी सुविधाएं होती हैं, लेकिन दुर्भाग्य है कि जब उन्हें नौकरी मिली तो उसमें पेंशन की व्यवस्था नहीं है, जिसके कारण पूरे देश में शिक्षक और कर्मचारी हड़ताल पर हैं। हजारों-लाखों छात्र जो ग्रामीण जीवन की धारा से जन्म लेकर अपनी प्रतिभा को विकसित करने के लिए आये हैं, आज महीनों से उनका विद्यालय बंद है। मांगे कुछ नहीं हैं, जो मांगे नियुक्ति में हैं, उन्हीं मांगों को पूरा करना है। इसलिए मैं आपके माध्यम से भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय से आग्रह करना चाहता हूं कि आखिर वह क्या करना चाहता है। जिस देश ने, जिस व्यवस्था ने और पूर्व प्रधान मंत्री ने काफी मंथन करने के बाद इस विद्यालय को जन्म दिया था, उनकी मानसिक वेदना से यह विद्यालय उपस्थित हुआ था आज वह विद्यालय हड़ताल पर है। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहता हूं कि इस हड़ताल को समाप्त करवाने की कोशिश की जाए और उनकी जो डिमांड हैं, जो नियुक्ति में आपने उन्हें सुविधाएं दे रखीं हैं, उन्हें पूरा किया जाए। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात को समाप्त करता हूं।

उपाध्यक्ष महोदय :

श्री मनोहर तिरकी,

श्री राजेन्द्र अग्रवाल,

श्री अर्जुन राम मेघवाल,

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहान,

श्री रवनीत सिंह,

श्री हरिभाऊ जावले तथा

श्री दिलीपकुमार मनसुखलाल गांधी जी को डॉ भोला सिंह जी के विषय के साथ सम्बद्ध किया जाता है।